यूपी चीनी मिलों के चलने की केंद्र को उम्मीद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश सरकार और चीनी उद्योग के बीच की तनातनी के बावजूद केंद्र को चालू सीजन में पेराई शुरू करने पर कोई संदेह नहीं है। खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने कहा कि चीनी मिल मालिकों के पास और कोई दूसरा विकल्प नहीं है। इसलिए गन्ना बकाया भुगतान करने के साथ मिलों में पेराई शुरू कर देनी चाहिए। पासवान ने कहा कि चीनी उद्योग को जो भी अपेक्षा केंद्र सरकार से थी, उसे पूरा किया गया।

पासवान ने कहा कि मालिकों को जिद करने से बचना चाहिए। उन्हें इसे प्रतिष्ठा का सवाल नहीं बनाना चाहिए। यह उनके लिए ठीक नहीं होगा। नसीहत देने के अंदाज में उन्होंने कहा कि उनकी तरह किसान जिद करने पर उतारू हो जाएं तो नुकसान सिर्फ चीनी मिलों को होगा।

खाद्य मंत्री पासवान ने कहा कि हो सकता है कि चीनी मिलों को पिछले पेराई सीजन में नुकसान हुआ हो, लेकिन उनके इस घाटे के लिए किसान कहीं से जिम्मेदार नहीं है। केंद्र में राजग सरकार के सत्तारुढ़ होने के समय गन्ना बकाया 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक था, जो अब घटकर 5957 करोड़ रुपये रह गया है। इसमें अकेले उत्तर प्रदेश की मिलों पर 3057 करोड़ रुपये बकाया है। राज्य की चार पांच मिलें ही बड़ी बकायेदार हैं, जो खुद को बीमार मान रही है। पासवान ने कहा कि मसले को सुलझाने के लिए ही जून महीने में पहली बैठक बुला ली गई थी। उस समय चीनी उद्योग ने जितनी मांगें रखी, उनमें से लगभग सभी मान ली गई।

अच्छे संकेत

- चीनी उद्योग की हर मांग को केंद्र ने किया है मंजूर

- पासवान ने दी राज्य की चीनी मिलों को जिद न करने की हिदायत

Dainik Jagaran.
10/10/14